Title: Telecast of vulgar shows on Television.

(ii) Re: Increase in obscenity on Television Channels.

प्रो. राम गोपाल ्यादव (सम्मल) : महोद्य, मैं ्यह प्रश्न ्बहुत दुःख के ्साथ उठा रहा हूँ। आज पूरे देश में टी्वी चैनल्स और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम ्से न्युडिटी, ्बल्गैरिटी, ऑ्ल्सेनिटी, न्युस्ें्स और ्वॉ्यलें्स का प्रद्र्शन हो रहा है, ्यह चिन्ता का वि्ाय है। हमारी स्भ्यता और हमारी स्ंस्कृति पर जि्स तरह ्से प्श्चिमी आक्रमण हो रहा है, ्वह अत्यधिक चिन्ता का वि्ाय है। इस वि्ाय पर मैं, अर्नाल्ड टॉ्यन्बी के ्शब्दों में कहना चाहूँगा कि जि्स स्भ्यता में न्युडिटी और एल्कोहल का प्र्वेश हो जाता है, ्वह स्भ्यता ्समाप्त हो जाती है। महोद्य, मुझे ऐसा लगता है कि हम उ्सी दि्शा में अग्रसर हो रहे हैं। मैंने इस ्बात को दो ्साल पहले दू्सरे ्सदन में भी उठा्या था और उ्स स्मय ्वहाँ चे्यर के निर्दे्श पर ्सरकार की ओर ्से ्यह आ्श्वा्सन दि्या ग्या था कि इसको रोकने का प्र्या्स कि्या जाएगा। लेकिन अ्भी भी लगातार ्यह न्युडिटी ्बढ़ती ही जा रही है।

महोद्य, आज हम अपनी मां-्बहन और परि्वार के ्साथ ्बैठकर ्समाचार तक नहीं ्सुन ्सकते हैं, क्योंकि ्समाचारों के ्बीच-्बीच में इस तरह के घटि्या ्स्तर के ि वज्ञापन आते हैं कि उनको देख नहीं ्सकते हैं। आज ्समाचार पत्रों के ्साथ जो ्सप्लीमेंट्री पेप्र्स आने लगे हैं, उनमें इस तरह के चित्र प्रद्र्शित किए जाते हैं कि उनको देख कर हमारा ्सिर ्शर्म ्से झुक जाता है। महोद्य, ्यहाँ देश के ्सब्से महत्वपूर्ण मंत्रीगण ्बैठे हुए हैं, मैं आपके माध्यम ्से उन्से अनुरोध करना चाहता हूँ कि इस दि्शा में ्समुचित कदम उठाए जाएं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद ्यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोद्य, मैं श्री राम गोपाल ्यादव जी ने जो ्बात कही है, उ्सका ्समर्थन करता हूँ।

।

MD. SALIM (CALCUTTA − NORTH EAST): Sir, the whole House is very much concerned about it....(*Interruptions*) Hon. Minister of Culture is present here. I think, on behalf of the whole House, we should condemn it....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Just a minute, please. Just because there is an uproar, I would not allow.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: During the Question Hour, this issue was raised. The hon. Minister very categorically has said about that. Now also, it has been raised by a very senior and responsible Member. When the Minister is present here, I am sure, he has noticed the concern of the entire House. I am sure, he would take an appropriate action.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद ्यादव : मंत्री जी इस ्सम्बन्ध में जानकारी दें।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल ्सुमन (फिरोजा्बाद) : मंत्री जी, ्यहां ्बैठे हैं, उ्सका ज्वा्ब आना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MD. SALIM : He is the Minister of Culture also. He is present here....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I do not understand what is this going on. Many hon. Members were not present during the Question Hour. Many of you do not know as to what the hon. Minister had said there.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF INFORMATION & BROADCASTING AND MINISTER OF CULTURE (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, if the hon. Speaker permits, I would like to respond to the concern raised by the hon. Members.

MR. SPEAKER: You say that you will consider it very seriously.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, we have taken a very serious view of the matter. Some of the recent incidents are being addressed. Some action is being taken. That apart, as I mentioned earlier, we are contemplating constitution of a regulatory authority and a statutory authority to look into all such complaints.

MR. SPEAKER: It is just a repetition of what he has said earlier. At that time, many of you were not present.

Now, Shrimati Jyotirmoyee Sikdar.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nobody else's statement would be recorded except the submission of Shrimati Jyotirmoyee Sikdar.

*(Interruptions)**